

Isa

Chapter 18

Hindi Interlinear

Reference: Hindi Easy-to-Read Version

1 הַיּוֹ אֶרֶץ צִלְצִל כְּנָפִים אֲשֶׁר מֵעַבַּר לְנַהֲרֵי-קוֹשׁ :
हाय देश झनकार पंखों-का जो पार-से नदियों-के
H1945 H0776 H3671 H5676 H5104

उस धरती को देखो जो कूश की नदियों के साथ—साथ फैली है। इस धरती में कीड़े—मकोड़े भरे पड़े हैं। तुम उनके पंखों की भिन्नाहट सुन सकते हो।

2 הַשְּׁלֵחַ בָּיָם צִיִּים וּבְכָל־יְמֵי גִמְלָה עַל-פְּנֵי-מַיִם לָקוּ מִלְּאֲכִים קְלָיִם
भेजने-वाला समुद्र-में दूतों और-नावों-में-सरकंडे-की पर-सतह-पानी-की जाओ दूतो
H7971 H3220 H3627 H1573 H6440 H4325 H3212 H4397 H7031

की-और-जाति लम्बी और-चमकदार और-की-लोगों लगी-से-वह और-आगे और-जाति रेखा-की-और-जाति
H0413 H4900 H4178 H0413 H3372 H1931 H1973 H6978

קוּ וּמְבוֹטָה אֲשֶׁר-בְּיָאֵר נַהֲרִים אֶרְצוֹ :
रेखा और-रौंदी-हुई जिस-भेदा-है नदियों-ने उसका-देश
H6978 H4001 H0958 H5104 H0776

यह धरती लोगों को सरकण्डों की नावों से सागर के पार भेजती है। हे तेज़ चलने वाले हरकारो, एक ऐसी जाति के लोगों के पास जाओ जो लम्बे और शक्तिशाली हैं! (इन लम्बे शक्तिशाली लोगों से सब कहीं के लोग डरते हैं। वे एक बलवान जाति के लोग हैं। उनकी जाति दूसरी जातियों को पराजित कर देती हैं। वे एक ऐसे देश के हैं जिसे नदियाँ विभाजित करती हैं।)

3 כָּל-יְשִׁבֵי תְּבַל וְשִׁכְנֵי אֶרֶץ וּשְׁכֵנֵי-בְּשָׂא-נֹס הָרִים תִּרְאוּ וּכְתָעַ אֶרֶץ
सब-रहने-वाली जगत और-बसने-वाली पृथ्वी और-जैसे-उठाने-में-जैसे-झंडा पर-पहाड़ों-देखोगे और-बजाने-में-जैसे
H3605 H3427 H398 H7931 H0776 H5375 H5251 H2022 H7200 H8628

שׁוֹפָר תִּשְׁמָעוּ: ס
नरसिंगा सुनोगे
H7782 H8085

ऐसे उन लोगों को सावधान कर दो कि उनके साथ कोई बुरी घटना घटने को है। उस जाति के साथ घटती हुई इस घटना को दुनिया के सब लोग देखेंगे। लोग इसे इस तरह साफ—साफ देखेंगे, जैसे पहाड़ पर लगे हुए झण्डे को लोग देखते हैं। इन लम्बे और शक्तिशाली व्यक्तियों के साथ जो बातें घटेंगी, उनके बारे में इस धरती के सभी निवासी सुनेंगे। इसको वे इतनी स्पष्टता से सुनेंगे जितनी स्पष्टता से युद्ध से पहले बजने वाले नरसिंगे की आवाज़ सुनाई देती हैं।

4 כִּי כֹה אָמַר יְהוָה אֱלֹהֵי אֲשַׁקּוּתָהּ (אֲשַׁקּוּתָהּ) וְאֶבִּיטָהּ (אֲשַׁקּוּתָהּ) בְּמִכּוֹנֵי קַחֵם
क्योंकि ऐसे कहा यहोवा-ने मुझसे यहाँ-से (शान्त-रहूँगा) (शान्त-रहूँगा) और-देखूँगा अपने-स्थान-से गर्मी-की-तरह
H3541 H0559 H3068 H0413 H8252 H8252 H5027 H4349 H2527

צֶחַ עָלַי-אֹר כְּעָב טל בָּחַם קָצִיר :
साफ पर-प्रकाश बादल-की-तरह ओस गर्मी-में कटनी-की
H6703 H0216 H5645 H2919 H2527

यहोवा ने कहा, “जो स्थान मेरे लिये तैयार किया गया है, मैं उस स्थान पर होऊँगा। मैं चुपचाप इन बातों को घटते हुए देखूँगा। गर्मी के एक सुहावने दिन दोपहर के समय जब लोग आराम कर रहे होंगे (यह तब होगा जब कटनी का गर्म समय होगा, वर्षा नहीं होगी, बस अलख सुबह की ओस ही पड़ेगी।)

5 כִּי-לִפְנֵי קָצִיר לְפָנֵי קָצִיר-כָּתָם-פָּרַח נֹחַ
क्योंकि-पहले-से कटनी कटनी पूरा-होने-में-जैसे-फूल और-कच्चा-अंगूर और-फूल खिला-हुआ-फूल
H6440 H8552 H6525 H1155 H1580 H1961 H5328

וּכְרַת וְהַלְזִלִים בְּמִזְמוֹרוֹת וְאֶת-הַנְּטִישׁוֹת הַקָּיִר הַקָּיִר הַתּוֹ:
और-काटेगा टहनियाँ काटने-वाली-दरातियों-से और-कॉन्टने-वाली-दरातियों-को और-हटा-देगा हटा-देगा काट-देगा
H3772 H2150 H0853 H4211 H5189 H5493 H8456

तभी कोई बहुत भयानक बात घटेगी। यह वह समय होगा जब फूल खिल चुके होंगे। नये अँगूर फूट रहे होंगे और उनकी बढ़वार हो रही होगी। किन्तु फसल उतारने के समय से पहले ही शत्रु आयेगा और इन पौधों को काट डालेगा। शत्रु आकर अँगूर की लताओं को तोड़ डालेगा और उन्हें कहीं दूर फेंक देगा।

6 יַעֲזֹבוּ יַחְדָּו לְעֵיט הַרְיִים וְלִבְהֵמַת הָאָרֶץ וְיִקְרַן עָלָיו
छोड़े-जाएंगे एक-साथ शिकारी-पक्षियों-के-लिए पहाड़ों-के शिकारी-पक्षियों-के-लिए पहाड़ों-के शिकारी-पक्षियों-के-लिए उस-पर और-गर्मी-बिताएगी पृथ्वी-के और-जानवरों-के-लिए पृथ्वी-के और-गर्मी-बिताएगी उस-पर

וְכָל-הָעֵיט הַרְיִים וְכָל-בְּהֵמַת הָאָרֶץ וְעָלָיו יִחַרְרֶנּוּ :
शिकारी-पक्षी और-सब-जानवर पृथ्वी-के उस-पर सदी-बिताएंगे

अँगूर की ये बेलें शिकारी पहाड़ी पक्षियों और जंगली जानवरों के खाने के लिये छोड़ दी जायेंगी। गर्मियों में पक्षी इन दाख लताओं में बसेरा करेंगे और उस सदी में जंगली पशु इन दाख लताओं को चरेंगे।”

7 בְּעֵת הַהִיא יוּבַל-שִׁי לִיהוָה וְיָבִיא עִמָּהּ לִמְנוּחָהּ וְיָבִיא עִמָּהּ לִמְנוּחָהּ וְיָבִיא עִמָּהּ לִמְנוּחָהּ
समय-में उस लाया-जाएगा-भेंट यहोवा-के-लिए सेनाओं-के लोगों-से और-लोगों-से और-चमकदार लम्बे लोगों-से

וְיָבִיא עִמָּהּ לִמְנוּחָהּ וְיָבִיא עִמָּהּ לִמְנוּחָהּ וְיָבִיא עִמָּהּ לִמְנוּחָהּ
भयावने से-वह और-आगे और-आगे और-आगे और-आगे और-आगे और-आगे और-आगे और-आगे और-आगे और-आगे

אֶל-מְקוֹם שֵׁם-יְהוָה וְיָבִיא עִמָּהּ לִמְנוּחָהּ וְיָבִיא עִמָּהּ לִמְנוּחָהּ וְיָבִיא עִמָּהּ לִמְנוּחָהּ
की-ओर-स्थान नाम-यहोवा-के सेनाओं-के पर्वत-सिय्योन

उस समय, सर्वशक्तिमान यहोवा को एक विशेष भेंट चढ़ाई जायेगी। यह भेंट उन लोगों की ओर से आयेगी, जो लम्बे और शक्तिशाली हैं। (सब कहीं के लोग इन लोगों से डरते हैं। ये एक शक्तिशाली जाति के लोग हैं। यह जाति दूसरी जाति के लोगों को पराजित कर देती है। ये एक ऐसे देश के हैं, जो नदियों से विभाजित हैं।) यह भेंट यहोवा के स्थान सिय्योन पर्वत पर लायी जायेगी।